प्रदेश के यशस्वी माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से कुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त की शिष्टाचार भेंट, विश्वविद्यालय की प्रगति एवं भविष्य की योजनाओं पर हुई विस्तृत चर्चा।

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त ने प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से भेंट कर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, कृषि एवं सामाजिक गतिविधियों तथा अब तक की प्रगति के संबंध में विस्तार से जानकारी दी और उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं से संबंधित सामग्री भी मुख्यमंत्री जी को भेंट की। कुलपति ने मुख्यमंत्री जी को बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा **“सरदार वल्लभभाई पटेल की रजत जयंती वर्ष”** के अवसर पर विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। विद्यार्थियों एवं समाज के हित को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में स्टूडेंट सर्विस सेंटर की स्थापना की गई है। साथ ही युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से नशा मुक्त अभियान भी चलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा के विस्तार और विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं विविध विषयों में अध्ययन के अवसर उपलब्ध कराने के लिए चार नए कॉलेजों के का प्रायोजन किया गया है। इसके अतिरिक्त 23 नए पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जा चुके हैं। इनमें 7 नए स्नातक (यूजी), 11 नए स्नातकोत्तर (पीजी) तथा 5 पीएचडी कार्यक्रम शामिल हैं। विश्वविद्यालय द्वारा वोकेशनल एवं सर्टिफिकेट स्तर के 34 पाठ्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं तथा अन्य नए पाठ्यक्रमों को भी प्रारंभ किया गया है। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पूर्व में जहां छात्र-छात्राओं की संख्या 2,193 थी, वहीं वर्तमान में यह संख्या बढ़कर लगभग 3,000 हो गई है। यह विश्वविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक अवसरों के विस्तार और विद्यार्थियों के बढ़ते आकर्षण को दर्शाता है। भेंट के दौरान कुलपति डॉ त्रिवेणी दत्त ने माननीय मुख्यमंत्री जी को आगामी 27 से 29 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले अखिल भारतीय किसान मेला एवं उद्योग प्रदर्शनी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में प्रदेश के 18 जनपदों के प्रगतिशील किसान, एफपीओ, स्टार्टअप, छात्र, शिक्षक एवं कर्मचारी प्रतिभाग करेंगे। कुलपति ने माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर किसान मेला एवं उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन करने तथा प्रतिभागियों को अपना आशीर्वाद प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि किसान मेला एवं उद्योग प्रदर्शनी के माध्यम से कृषि, नवाचार, स्टार्टअप, एफपीओ और विद्यार्थियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराया जाएगा। आयोजन में किसानों को नवीन कृषि तकनीकों, उद्यमिता एवं कृषि से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री के साथ हुई भेंट के दौरान विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति, नए पाठ्यक्रमों, विद्यार्थी सुविधाओं, सामाजिक सरोकारों तथा आगामी किसान मेले की तैयारियों सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

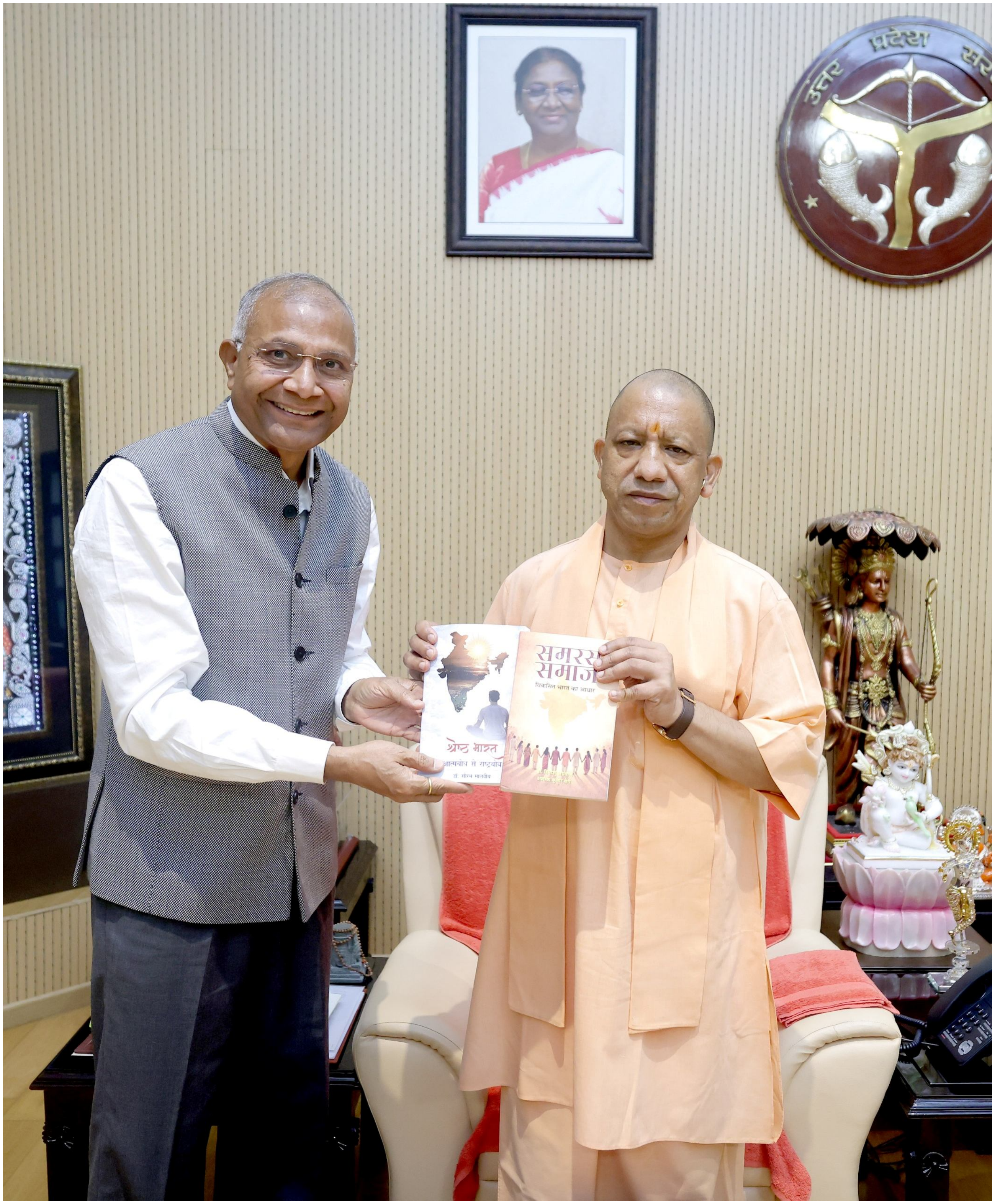
उत्तर प्रदेश
श्रेष्ठ भारत
आत्मबोध से राष्ट्रबोध
डॉ. सौरभ मालवीय
विकसित भारत का आधार